बुधवार

23 जुलाई 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 167
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

छोटी सरकार: पहले चरण का मतदान कल

विशेष संवाददाता

देहरादून। तमाम सारे विवाद और चुनौतियों के बीच कल 24 जुलाई को छोटी सरकार चुनने के लिए पहले चरण का मतदान होगा। हालांकि चुनाव आयोग और जिला प्रशासनों का दावा है कि उनके द्वारा किसी भी समस्या से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और राज्य में कल पहले चरण के लिए होने वाला मतदान शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न करा लिया जाएगा, लेकिन मौसम विभाग की चेतावनी यह बता रही है की बारिश मतदान में खलल डाल सकती है और मतदान का प्रतिशत कम रह सकता है।

❑कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर
❑मतदान में बारिश से खलल संभव
❑पोलिंग पार्टियों को हो रही है दिक्कतें

कल जिन जिलों में पहले चरण का मतदान होना है उनमें 49 ब्लॉक के 17 हजार से अधिक प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जिनके लिए 4679 मतदान केंद्र तथा 5823 मतदेय स्थल बने गए हैं। जिनमें से 1521 संवेदनशील और 533 अति संवेदनशील मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं। कल होने वाले इस मतदान के लिए पुलिस व सुरक्षा बलों के कुल 18 हजार सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। तीन दिनों से इन चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों को भेजने का काम जारी था।

इस चुनाव में कई बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। देहरादून की बात करें तो यहां कांग्रेस नेता प्रीतम सिंह के पुत्र अभिषेक तथा भाजपा नेता मुन्ना सिंह चौहान की पत्नी मधु चौहान चुनाव मैदान में है। वही नैनीताल की

बात करें तो यहां सरिता आर्य के बेटे रोहित आर्य व मातवर सिंह कंडारी के पुत्र चुनाव मैदान में है। उधर अल्मोड़ा में गोविंद सिंह कुंजवाल की पुत्रवधू सुनीता कुंजवाल भी चुनाव लड़ रही है।

पोलिंग पार्टियां कुछ मतदान केंद्र तक पहुंच गई है तथा कुछ अभी भी रास्तों की दुर्गमता के कारण रास्ते में फंसी हैं।

मौसम विभाग द्वारा पहले ही राज्य में कहीं सामान्य से अधिक तो कहीं भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम की इस बेरुखी के बीच कल होने वाले इस चुनाव में मतदान का प्रतिशत कम रहने की संभावना बनी हुई है। तथा कुछ ऐसे मतदान केंद्र भी हो सकते हैं जहां चुनाव हो पाना संभव न हो। लेकिन चुनाव आयोग ने इसके लिए फिर 28 को या 30 को मतदान कराने की योजना बना रखी है।

प्राचार्यों के नियुक्ति नियम में बदलाव को मंजूरी

विशेष संवाददाता

देहरादून। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में आधा दर्जन से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा की गई जिनमें से तीन प्रस्तावों पर कैबिनेट ने थोड़े बहुत संशोधन के साथ अपनी मंजूरी दे दी गई जबकि कुछ प्रस्तावों को स्पष्टीकरण के लिए वापस विभागों को भेजा गया है।

कैबिनेट की बैठक में किए गए तीन फैसले, कुंभ मेले के लिए 82 अधिकारी नियुक्त होंगे, ई-स्टाम्प व्यवस्था में भी होगा सुधार

राज्य में 2027 में आयोजित कुंभ मेले की तैयारियों के लिए 82 पदों पर नियुक्ति को आज की कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई है। मेले के सफल संचालन के मद्देनजर लिए गए इस फैसले से मेले के आयोजन की व्यवस्थाओं को अधिक बेहतर बनाया जा सकेगा। इसमें कुछ अधिकारियों को डेपुटेशन पर भेजा जा सकता है तथा कुछ नियुक्तियां की जा सकेगी।

इसके अलावा आज की कैबिनेट में शिक्षा विभाग में प्राचार्यो की नियुक्तियां तथा सेवा नियमावली में संशोधन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है जिससे पदोन्नति योग्यता और तैनाती में आ रही दिक्कतों को दूर किया जा सकेगा। तथा भविष्य में प्राचार्य की नियुक्तियों को लेकर आ रही शिकायतें कम होगी तथा पारदर्शिता बढ़ेगी। कैबिनेट की बैठक में आज तीसरा और अहम फैसला ई स्टाम्प व्यवस्था में सुधार लाने के रूप में किया गया। ई स्टाम्प व्यवस्था को पारदर्शी और सरल बनाया जाएगा। ई स्टाम्प की खरीद व बिक्री की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने से इसकी गड़बड़ियां कम होगी और वित्तीय अनियमितताओं की गुंजाइश कम होगी। बैठक में लिए गए इन निर्णयों से राज्य के प्रशासनिक ढांचे को मजबूती मिलेगी तथा कुंभ जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी सुचारू ढंग से हो सकेगी राज्य में पंचायत चुनाव के कारण चुनाव आचार संहिता लागू है। जिसकी वजह से बैठक के निर्णयों की जानकारी पत्रकार वार्ता द्वारा नहीं दी गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

फंस गया निर्वाचन आयोग

उत्तराखंड में होने वाले पंचायत चुनाव देश के वर्तमान लोकतंत्र की हकीकत बयां की जीती जागती तस्वीर है। सत्ता को चुनाव कब कराना है यह बात सरकार अपनी सहूलियत के अनुसार तय करेगी। कोई उस पर सवाल नहीं उठा सकता है। चुनाव आयोग सत्ता के दिशा निर्देश पर चुनाव कार्यक्रम बनाएगा। राज्य में भले ही पंचायत एक्ट लागू हो लेकिन एक्ट के किस नियम का पालन किया जाएगा और किसका नहीं यह भी सत्ता द्वारा ही तय किया जाएगा। भले ही चुनाव आयोग को दो-दो अधिसूचना जारी करनी पड़े। चुनाव आयोग की हालत यह है कि उसे बार-बार अपने आदेशों पर स्पष्टीकरण के लिए कोर्ट जाना पड़ रहा है। जब निष्पक्षता और पारदर्शिता का अभाव होता है तो सरकार और चुनाव आयोग को बार-बार अपनी नीतियां और फैसला बदलने पर मजबूर होना पड़ता है। आरक्षण रोटेशन से लेकर चुनाव की तारीखें तय करने और आवेदन पत्रों की जांच से लेकर दो-दो मतदाता सूचियों में नाम होने के तमाम मुद्दों पर अब तक जितने सवाल खड़े हो चुके हैं उन्हें देखकर अब लोग यह कहने लगे हैं कि यह चुनाव हो रहा है या फिर कोई तमाशा हो रहा है। पहले समय पर चुनाव न कराया जाना और फिर चुनाव कराए जाने के लिए मानसून के आपदा काल को सही समय ठहराया जाना ही गलत था लेकिन आरक्षण रोटेशन की तमाम खामियों के उजागर होने के बाद चुनाव की अधिसूचना जारी होना फिर उसे रद्द कर दूसरी अधिसूचना जारी किया जाना ऐसी अजब गजब स्थितियां रही हैं जो इससे पूर्व पहले कभी नहीं देखी गई। नगर निकाय व पंचायत की सूचियों में दो-दो तीन-तीन जगह नाम के जिस मुद्दे पर हाईकोर्ट अपना स्पष्ट फैसला सुना चुका है कि यह असंवैधानिक है, के बावजूद भी चुनाव आयोग द्वारा ऐसे प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने से न रोका जाना जिनके नाम दो-दो सूचियां में दर्ज हैं क्या यह कोर्ट के फैसले की अवमानना नहीं है? इसका जवाब एक आम आदमी भी जानता है। लेकिन इसके बावजूद भी 700 से अधिक ऐसे उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं जिनके नाम दो-दो मतदाता सूची में दर्ज हैं। जिनके बारे में खुद यह उम्मीदवार भी जानते हैं कि यह कानूनी तौर पर अपराध है जिसमें उनको 7 साल की सजा भी हो सकती है तथा चुनाव जीतने के बाद भी उनके चुनाव जीतने को अवैध करार दिया जाना तय है लेकिन फिर भी वह चुनाव मैदान में डटे हैं। उनका मानना है कि इसके लिए वह खुद जिम्मेदार नहीं है चुनाव आयोग जिम्मेदार है। निसंदेह यह चुनाव आयोग की अकर्मठता का ही प्रमाण है। चुनाव आयुक्त द्वारा बिना ठोस आधार के जब प्रत्याशियों के नामांकन पत्र रद्द किए जा सकते हैं तो इससे बड़ा साक्ष्य अकर्मठता का क्या हो सकता है। सही मायने में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली ही निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं तो चुनाव क्या खास पारदर्शी होंगे? लेकिन हाई कोर्ट की अवमानना तक पहुंचे इस मामले की अब बड़ी कीमत निर्वाचन आयोग को चुकानी पड़ेगी यह तय है कि प्रत्याशियों का जो होगा सो तो होगा ही।

ब्राह्मण महासभा ने किया कांवड यात्रियों का स्वागत

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारत वर्षीय ब्राहमण महासभा ने कांवड यात्रियों का फूल वर्षा कर स्वागत किया।

आज यहां अखिल भारत वर्षीय ब्राहमण महासभ के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया कि हरिद्वार बाईपास दूरदर्शन केंद्र मुख्य मार्ग पानी की टंकी के पासमहा सभा द्वारा कांवड़ियों के ऊपर पुष्पों की वर्षा की गई और फिर उनके लिए शरबत केला जलजीरा जल कोल्ड ड्रिंक बिस्किट नमकीन लस्सी को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। सभी ने बम बम बोले के जय घोष के साथ देहरादून नगरी को गूंजये मान किया। इसके उपरांत महासभा के अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया कि कावड सेवा में कावड़ियों की सेवा के लिए ढोलकपुर में भंडारा और हरिद्वार और देहरादून में कावड़ियों का स्वागत कई वर्षों से किया जा रहा है। शिवरात्रि का सभी को बधाई और शिवरात्रि पर्व की सभी बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर पंडित मनमोहन शर्मा अध्यक्ष, संरक्षक राहुल, ओजस्वी कथा वाचक पंडित सुभाष चंद जोशी, पंडित लालचंद शर्मा, शशि कुमार शर्मा, डिप्टी कंट्रोलर सामेंद्र साहू , पीयूष गौड, महानगर अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा, संगठन सचिव संदीप धूलिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बागा, व्यापार मंडल अध्यक्ष उषा रानी शिवा, विकी, पूनम अमित प्रवीण, शकुंतला, मोहित, अपनी सेवा कावड़ियों के लिए दी।

हेलमेट के नाम पर दोहरा मापदंड बर्दाश्त नहीं: मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएनवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार द्वारा दो पहिया वाहन चालकों (राइडर्स) व पीछे बैठी सवारी (पिलियन राइडर्स) के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत डबल हेलमेट का प्रावधान किया गया है, जो कि अच्छा कदम है, लेकिन प्रदेश भर में परिवहन व पुलिस विभाग सीसी टीवी कैमरे से हेलमेट लगाए चालक के साथ बिना हेलमेट लगाए पिलियन राइडर्स वाले वाहनों के चालान तो कर रही है, लेकिन बगैर हेलमेट ट्रिपल राइडिंग, धार्मिक यात्राओं /रेलियों में जाने वाले व्यक्तियों से हेलमेट के बारे में खामोशी अख्तियार करती है और न हीं इनका कोई चालान होता है।

मोर्चा विभाग से सवाल करता है कि क्या इनके सिर वज्र के हैं ! इससे प्रतीत होता है कि बगैर हेलमेट मोटरसाइकिल/ स्कूटर आदि चलाने वाले व्यक्तियों के जीवन से विभाग का कोई लेना-देना नहीं है। हेलमेट की उपयोगिता सिर्फ चालान होने से बचने तक की रह गई है, जबकि हेलमेट पहनने का मुख्य

उद्देश्य लोगों के जीवन को सुरक्षित रखने से है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्कूटर/ मोटरसाइकिल चलाने वाला चाहे

●बगैर हेलमेट पिलियन राइडर्स के होते हैं चालान, धार्मिक यात्रा व रेलियों में जाने वालों के क्यों नहीं?

नेता हो, अधिकारी हो, पुलिसकर्मी हो, आर्मीपर्सन हो, धार्मिक यात्रा करने वाला हो, सबके जीवन को बचाना सरकार का कर्तव्य है।

नेगी ने कहा कि जनता को परेशानी तब होती है जब बगैर हेलमेट पहने व्यक्तियों का चालान नहीं होता तथा वहीं दूसरी ओर पिलियन राइडर हेलमेट न पहने तो वाहन का चालान हो जाता है, ऐसा दोहरा मापदंड निश्चित तौर पर कष्टकारी साबित हो रहा है। प्रदेश में वैसे ही आमजन आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। मोर्चा परिवहन/ पुलिस विभाग से अपेक्षा करता है कि इस मामले में संवेदनशीलता बरतें या फिर कोई भी हो, नियम तोड़ने वाले व्यक्ति का चालान हो। मोर्चा ने चेतावनी दी कि अगर विभाग ने इस पर अमल नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा तथा इस मामले को शासन में भी रखा जायेगा। पत्रकार वार्ता में- दिलबाग सिंह व अमित जैन मौजूद थे।

'एलटी मामले में महाधिवक्ता से पैरवी कराए सरकार'

संवाददाता

देहरादून। एलटी चयनित अभ्यार्थियों ने मांग की है कि उनके मामले की पैरवी महाधिवक्ता से करायी जाये।

आज यहां एल टी चयनित अभ्यर्थियों ने मांग है कि 5 महीनों से कोर्ट में लंबित एल टी की नियुक्ति प्रक्रिया वाली मामले पर सरकार को महाधिवक्ता से पैरवी करवानी चाहिए जिससे कि नियुक्ति प्रक्रिया बहाल हो। एल टी अभ्यर्थी लंबे समय से शोषण झेल रहे हैं और सरकार उनके मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। 99 दिनों से धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने कहा कि 25 जुलाई को महाधिवक्ता उनके मामले में पैरवी करें। धरना देने वालों में अजय जोशी, दिनेश जोशी, राकेश पंवार, गजेंद्रनाथ, कुलदीप, विमल, आलोक, राहुल, प्रियक्त, नंदन, रिद्धि, पूनम, प्रियंका, मीना, शोभा, मेघा आदि दर्जनों अभ्यर्थी मौजूद रहे।

प्रथम चरण में चकराता, कालसी व विकासनगर में सम्पन्न होनी है निर्वाचन प्रक्रिया

संवाददाता

देहरादून। पंचायत चुनावों में प्रथम चरण 24 जुलाई को चकराता, कालसी व विकानगर में निर्वाच प्रक्रिया सम्पन्न होनी है।

आज यहां पंचायत चुनावों के प्रथम चरण में 24 जुलाई को होने वाली मतदान प्रक्रिया को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विकासनगर में चुनाव ड्यूटी में लगे समस्त पुलिस बल की ब्रींफिंग की गई। ब्रीफिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश द्वारा समस्त जोनल पुलिस अधिकारी, सेक्टर पुलिस अधिकारी व उपस्थित बल को सम्बोधित करते हुए बताया कि हमारी प्राथमिकता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना है, इसलिए पोलिंग बूथों पर ड्यूटी पर नियुक्त समस्त अधिकारी/कर्मचारी ड्यूटी के दौरान निष्पक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। बूथों पर सुरक्षा हेतु नियुक्त किया गया समस्त बल सर्वप्रथम अपनी ड्यूटी के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर लें तथा अपने पर्यवेक्षण अधिकारी का मोबाइल नंबर अवश्य रख लें। साथ ही इस बात को सुनिश्चित कर

लें कि मतदान केन्द्र तथा उसके समीप किसी भी राजनैतिक दल का चिह्न अथवा किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग न हो। मतदान स्थल के 100 मीटर की परीधि में केवल मतदाता व पूर्व में अधिकृत व्यक्ति को ही प्रवेश दिया जाये। पीठासीन अधिकारी द्वारा बुलाये जाने के अतिरिक्त कोई भी पुलिस कर्मचारी मतदान स्थल में प्रवेश न करे। मतदान केंद्रों में सुरक्षा हेतु नियुक्त बल इस बात को सुनिश्चित कर ले मतदान की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के पश्चात किसी भी व्यक्ति को मतदान स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया जाये तथा जो व्यक्ति अन्दर आ चुके हो, वे ही नियमानुसार अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इसके अतिरिक्त पोलिंग बूथ के अन्दर किसी भी व्यक्ति को मोबाईल ले जाने कि अनुमति किसी भी दशा में न दी जाये। 24 जुलाई 2025 को होने वाली मतदान प्रक्रिया के दृष्टिगत शाम 05 बजे से जनपद देहरादून के विकासखंड चकराता, कालसी तथा विकासनगर में धारा 163 लागू कर दी जाएगी, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित कर ले कि इस दौरान किसी राजनीतिक दल द्वारा किसी प्रकार का खुला प्रचार-प्रसार व जनसभा न की जाए। साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों के होटल/ढाबों/धर्मशालाओं आदि की चौकिंग कर इस बात को सुनिश्चित कर लें कि

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पाक की अध्यक्षता का मतलब

प्रेम शर्मा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पाकिस्तान को अध्यक्षता मिलना जहां कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है, क्योंकि यह अस्थाई होती है और इसकी मीयाद सिर्फ एक महीने ही होती है, भारत में कई लोगों को इससे निराशा हुई थी। वैसे तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मोटे तौर पर प्रतीकात्मक ही होती है और इसका कोई खास असर नहीं होता है।

पाकिस्तान के यूएनएसी के अध्यक्ष बनने से भारत को तकनीकी रूप से किसी तरह की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं, क्योंकि अध्यक्ष देश कोई फैसला अकेले नहीं ले सकता। मगर हां, राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से वो कई गड़बड़ियां कर सकता है। जिसका उदाहरण सामने आ भी चुका है क्योंकि यूएनएससी में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने कश्मीर मामले पर चर्चा भी शुरू कर दी, जबकि सबको पता है कि ये भारत और पाकिस्तान के बीच का मसला है। पाकिस्तान के पास एजेंडा कंट्रोल करने की पावर है। वो तय कर सकता है कि किस मुद्दे पर ज्यादा चर्चा हो और किस पर नहीं। ऐसे में भारत को उसकी एक माह की अध्यक्षता पर नजर रखनी होगी। वैश्विक राजनीति में जहां कूटनीतिक स्तर पर भारत अलग-थलग पड़ता नजर आ रहा है, वहीं इस मोर्चे पर पाकिस्तान की अहमियत बढ़ती नजर आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारतीय प्रतिनिधियों के कूटनीतिक विश्व भ्रमण के दौरान तमाम देशों को यह समझाने के बावजूद कि पाकिस्तान आतंक का केंद्र और आतंकवादियों की शरणस्थली बना हुआ है, पाकिस्तान के चीन, रूस और अमेरिका के साथ रिश्तों में हाल के महीनों के दौरान नाटकीय गर्मजोशी देखने को मिल रही है। अगर वोटिंग की बॉत करे तो वोटिंग में भी भारत के प्रति अन्य देशों का रूझान ठीक नही रहा।

बहरहाल ये भी हो सकता है कि अध्यक्ष बनने के बाद पाकिस्तान चाहे तो खुद को पीड़ित बता सकता है। इसके साथ ही वह सिंधु जल संधि पर भी अपना दुखड़ा रो सकता है कि भारत ने पानी बंद कर दिया है और जैसा कि ये दुनिया का बड़ा मंच है और उसे मौका मिला है तो वो अपना दुखड़ा पूरी दुनिया को पूरी ताकत से सुना सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि वो ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी उल्टे सीधे बयान दे लेकिन इससे भारत को कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। आतंकियों का पनाहगार और दुनिया के हर मंच पर कश्मीर का राग अलापने वाला पाकिस्तान एक जुलाई से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनाया गया है और एक महीने तक अध्यक्ष के तौर पर काम करेगा। पाकिस्तान इसी साल जनवरी में दो साल के लिए अस्थायी सदस्य चुना गया था, जिसे वोटिंग के दौरान 193 में से 182 वोट मिले थे। अब नए नवेले सदस्य बने पाकिस्तान को एक जुलाई से 31 जुलाई तक अध्यक्ष पद की भूमिका निभानी है और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने के बाद उसके पास कई पॉवर्स होंगे। जैसे पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की सभी औपचारिक और अनौपचारिक बैठकों की अध्यक्षता करेगा। परिषद के एजेंडे को तय करने और प्राथमिकताओं को तय करने में खास भूमिका निभाएगा।

अध्यक्ष परिषद की ओर से प्रेस स्टेटमेंट और सार्वजनिक घोषणाएं जारी करेगा और परिषद के सदस्यों के बीच संवाद और समन्वय तय करेगा, जिससे परिषद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। इसके साथ ही अगर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को तत्काल खतरा हो, तो अध्यक्ष देश आपातकालीन बैठक बुला सकता है। इसके साथ ही अध्यक्ष देश को परिषद की बैठकों की कार्यवाही को कंट्रोल करने, वक्ताओं को बुलाने और चर्चा को दिशा देने की शक्ति होती है। हालांकि संभावना तो नहीं है, लेकिन इस एक महीने की अध्यक्षता के दौरान पाकिस्तान कुछ खुराफात कर सकता है। भारत में इस बात को लेकर चिंता है, जो सही भी है कि पाकिस्तान इस मौके का फायदा कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के लिए न कर ले और वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में भारत की स्थिति को कोई नुकसान न हो। ध्यान रहे कि ईरान, तुर्की और इस्लामिक देशों के संगठन-ओआईसी जैसे मध्यपूर्व के देशों के साथ भारत के रिश्ते कोई खास अच्छे नहीं हैं और आने वाले दिनों में इनमें कुछ और तनाव जैसी स्थितियां बन सकती हैं। वैसे भी जिसपर आतंकियों को पालने-पोसने और अलग-अलग देशों में अस्थिरता फैलाने की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगते हैं, बावजूद इसके वह इतना जिम्मेदार पद कैसे पा गया ? पहलगाम में हमला हुआ। बाकी देशों ने पाकिस्तान का साथ दिया। लेकिन भारत का साथ किस देश ने दिया ? हमारे पड़ोसी देश भी साथ देने नहीं आए। यूपीए सरकार के समय पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध थे। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल से अच्छे संबंध थे। तब वे सहयोग करते थे। लेकिन पहलगाम हमले के समय कोई समर्थन करने नहीं आया। इन प्रश्नों और अपनी विदेश नीति पर मोदी सरकार को विचार अवश्य करना चाहिए।

ब्लड और ब्रेन के लिए खूबियों का खजाना है विटमिन बी

विटमिन्स का हमारी सेहत के लिए क्या रोल होता है, इस पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। हम सभी जानते हैं कि अगर शरीर में किसी भी तरह से विटमिन्स की कमी हो जाए तो हम हेल्दी लाइफ जी ही नहीं सकते हैं। आज हम बात करेंगे विटमिन बी की जरूरत और उसके प्रकार पर। साथ ही इस बात पर खास ध्यान देंगे कि इसके अलग-अलग प्रकार की कमी से हमें किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है...

खूबसूरत त्वचा के लिए

बढ़ते पलूशन का असर हमारी सेहत के साथ हमारी खूबसूरती पर भी पड़ता है। तो सेहत के साथ सुंदरता बनाए रखने के लिए आप विटमिन बी 3 से युक्त चीजों का सेवन करें, जैसे केला, फलीदार सब्जियां और ओटमील खाएं जो निकोटिनमाइड से भरपूर होती हैं। इससे आपकी स्किन का मॉइस्चर लॉक रहता है। इसके साथ ही विटमिन बी कॉम्प्लेक्स में बायोटिन रहता है जो आपके नाखूनों और बालों को मजबूत बनाता है।

ब्लड और ब्रेन के लिए

तमाम लोग इस बात से अवगत हैं कि विटामिन बी 12 का घटा हुआ स्तर अनीमिया पैदा कर सकता है। इस अनीमिया को मेगैलोब्लास्टिक अनीमिया कहा जाता है और इसके साथ कई बार तंत्रिका तंत्र भी प्रभावित हो जाता है। नतीजन रोगियों में जो लक्षण मिलते हैं, वे इन्हीं दोनों तंत्रों (रक्त और मस्तिष्क की अंदरुनी या बाहरी तंत्रिकाओं) से संबंधित मिलते हैं। यानी ब्लड और ब्रेन दोनों के लिए यह जरूरी है।

विटमिन बी- 1

गर्भ में बच्चे के मस्तिष्क के विकास में एक बहुत मदद करता है। प्रेग्नेंट महिलाओं को रोज विटमिन बी-1 की जरूरत बहुत अधिक होती है। इसके लिए आप अपनी डायट में पास्ता, मीट, डेयरी उत्पाद को शामिल कर सकती हैं। अगर आप नॉनवेज खाते हैं तो सेलमन फिश जरूर खाएं। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन बहुत अच्छी मात्रा में होता है। यह हमारी सेहत के लिए बेहद जरूरी है।

विटमिन बी- 2

विटमिनों बी-2 आंखों को स्वस्थ रखता है। इसके अलावा स्किन ग्लो करने में मदद करता है। प्रेग्नेंट महिलाओं को अपनी डाइट में विटमिन बी-2 की मात्रा को शामिल करना चाहिए। इसके लिए चिकन, मछली, दही, अंडे आदि को प्रेग्नेंसी के दौरान खाना चाहिए।

विटमिन बी- 3

विटमिन बी- 3 पाचन को सही करता है और सिरदर्द से बचाता है। इसके अलावा मतली को भी कम करता है। इसलिए प्रेग्नेंट महिलाओं को डॉक्टर विटमिन बी-3 लेने की सलाह देते हैं। इसके लिए महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान ब्रेड, मछली आदि को खाना चाहिए।

विटमिन बी- 5

विटमिन बी- 5 प्रेग्नेंट महिलाओं की पैरों में ऐंठन को दूर करता है। इसके अलावा हॉर्मोन पैदा करने में मदद करता है। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में काजू, अंडे की जर्दी, खिचड़ी का सेवन करना चाहिए।

विटमिन बी- 6

त्वचा संबंधी रोगों से दूर रहने के लिए जरूरी है कि विटमिन बी- 6 का सेवन किया जाए। प्रेग्नेंट महिलाओं में भी इसकी सही मात्रा बेहद जरूरी होती है। क्योंकि यह नौ महिने तक शिशु के मस्तिष्क और विकास में मदद करता है।

विटमिन बी- 7

विटमिन बी- 7 बायोटिन की कमी को दूर करने में सहायक होता है। लीवर, आतों और किडनी के सही तरीके से सक्रिय रहने में मदद करता है।

विटमिन बी- 9

खासतौर पर गर्भवती महिलाओं के लिए विटमिन बी-9 बेहद जरूरी होता है। इसका सबसे अधिक रोल बच्चे को स्वस्थ रूप से दुनिया में लाने का होता है। ताकि बच्चा जन्म के साथ ही किसी तरह के विकार या रोग से ग्रसित ना हो।

उम्मीद की धरती पर खड़ा भारत

मौ० वसी जैदी

मौजूदा दौर में जब, वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं और चुनौतियों के भंवर में फंसी है, भारत एक उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। विश्व बैंक द्वारा जून 2025 में जारी 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट भारत की आर्थिक यात्रा की एक स्पष्ट और आशावादी तस्वीर पेश करती है। विश्व बैंक की रिपोर्ट का सबसे उत्साहजनक दावा यह है कि भारत में 2011-12 के बाद से गरीबी में लगातार कमी आई है, और यह गिरावट कोविड-19 महामारी के बाद भी जारी रही। रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्षों में भारत ने 17 करोड लोगों को गरीबों की रेखा से निकाला है। यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इसका ज्यादातर श्रेय नरेंद्र मोदी की सरकार को है, तो इसमें कुछ भूमिका डॉक्टर मनमोहन सिंह सरकार की भी है जिनकी नीतियों को नरेंद्र मोदी सरकार ने न केवल आगे बढ़ाया, बल्कि और मजबूत किया।

विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2024-25 के लिए 6।6 फीसदी अनुमानित है। यद्यपि यह दर पिछले वर्ष (2023-24) की 8।2 फीसदी की असाधारण वृद्धि से कुछ कम प्रतीत हो सकती है, यह समझना महत्वपूर्ण है कि पिछली दर आधार प्रभाव के कारण थी। वास्तविक कहानी 2025-26 के लिए अनुमानित 6। 7 फ़ीसदी की वापसी में निहित है, जो दर्शाता है कि भारत की वृद्धि केवल आकस्मिक उछाल नहीं, बल्कि संरचनात्मक और टिकाऊ है। यह वृद्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए दूरदर्शी आर्थिक सुधारों और नीतिगत पहलों का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिन्होंने अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान किया है। वैश्विक उतार-चढ़ावों के बावजूद, भारत ने अपनी आर्थिक स्थिरता को सफलतापूर्वक बनाए रखा है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार अब 645 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर है, जो रुपए को बाहरी झटकों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दरअसल,खुदरा महंगाई का 5 फीसदी के करीब रहना और वर्ष के अंत तक 4 फीसदी के भीतर आने की उम्मीद - सरकार की कुशल आर्थिक प्रबंधन को दर्शाता है। इससे आम नागरिक की क्रय शक्ति सुरक्षित रहती है। इसके अतिरिक्त, राजकोषीय घाटे में कमी और राजस्व संग्रह में लगातार सुधार यह प्रमाणित करता है कि भारत की सार्वजनिक वित्तीय सेहत अब पहले से कहीं अधिक मजबूत और विश्वसनीय है।

हालांकि, विश्व बैंक की रिपोर्ट कुछ महत्वपूर्ण चेतावनियां भी देती हैं। निजी खपत में अपेक्षित गति का अभाव घरेलू मांग के लिए चिंता का विषय है। रोजगार बाजार में अभी भी सुधार की जरूरत है, खासकर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा को दूर करने और स्किल गैप की समस्या को पाटने के लिए। बहरहाल, विश्व बैंक का यह विश्वास है कि भारत 2047 तक एक उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बन सकता है, यह दरअसल,हमारे राष्ट्रीय आकांक्षाओं को बल देता है। 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन जैसी योजनाएं भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रही हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में निरंतर निवेश एक कुशल और उत्पादक कार्यबल तैयार कर रहा है। यूपीआई जैसी योजनाएं भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही हैं और शासन में पारदर्शिता व दक्षता ला रही हैं। ये डिजिटल उपकरण नीति निर्माताओं के हाथ में अब एक शक्तिशाली औज़ार बन चुके हैं। मौजूदा दौर में जब, दुनिया मंदी, भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार में गिरावट से जूझ रही है, भारत एक स्थिर, लचीली और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों, विशेषकर मजबूत मैक्रो-इकोनॉमिक प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और डिजिटल परिवर्तन पर उनके फोकस ने भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। चुनौतियां अभी शेष हैं, विशेषकर निजी उपभोग और रोजगार के क्षेत्र में, लेकिन भारत का संरचनात्मक विकास मॉडल अब उसे एक मजबूत और आत्मविश्वासपूर्ण भविष्य की ओर ले जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के खेल सितारे पहुंच रहे हैं, मैदान से मेडल तक

हीरा देवांगन

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की बदौलत देश के खेल क्षितिज में छत्तीसगढ़ का नाम तेजी से उभर रहा है, इसके चलते नए-नए खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना जौहर दिखा रहे हैं। राज्य के खिलाड़ियों को मैदानों से निकलकर मेडल तक का सफर तय करने में अब कम वक्त लग रहा है। इसका हालिया उदाहरण बैडमिंटन में आकर्षी कश्यप का है, जिन्होंने अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरी है। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध सुविधाओं को देखते हुए बीसीसीआई ने दो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैंच के आयोजन की घोषणा की है। पहली बार नवा रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दो महीने के भीतर दिसंबर एवं जनवरी माह में भारत दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय वन डे एवं टी-20 मैच खेलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़ रूपए, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रूपए और कास्य पदक विजेता को 1 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की है। एक समय में क्रिकेट में राजेश चौहान, हॉकी में सबा अंजुम सहित अनेक खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में क्रिकेट में शशांक सिंह और अमनदीप तथा हॉकी में रेणुका यादव, जैसे चमकते सितारे छत्तीसगढ़ से हैं। राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट स्टेडियम, हॉकी स्टेडियम, स्विमिंग पुल जैसी सुविधा उपलब्ध है तथा बैडमिंटन अकादमी निर्माणाधीन है।

केंद्र सरकार की खेलो इंडिया और स्पोर्टस ऑथारिटी ऑफ इंडिया के साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए प्रदेश में एक मज़बूत ढांचा खड़ा किया जा रहा है। रायपुर स्थित तीरंदाजी और बालिका हॉकी अकादमी में 80 खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा दी जा रही है। गैर-आवासीय अकादमियों में 130 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। बिलासपुर स्थित बहतराई केंद्र को भारत सरकार द्वारा स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया है, जहां 180 खिलाड़ी हॉकी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी और कबड्डी में अभ्यासरत हैं। साथ ही, शिवतराई स्थित उपकेंद्र में 45 खिलाड़ी तीरंदाजी की बारीकियाँ सीख रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की चमक बढ़ी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और पैरा गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 2024 में तमिलनाडु में हुए 6वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 7 पदक जीते। दिल्ली में हुए पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में 7 पैरा-खिलाड़ियों ने 5 पदक जीते। बिहार में 2025 में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 14 पदक छत्तीसगढ़ के नाम किए। गोवा में आयोजित 37वें नेशनल गेम्स में 72 खिलाड़ियों ने भाग लेकर 25 पदक जीते, जबकि उत्तराखंड में हुए 38वें नेशनल गेम्स में 58 खिलाड़ियों ने 16 पदक अर्जित किए।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल अधोसंरचना को बढ़ाने के लिए रायगढ़ और कुनकुरी में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्वीकृति दी गई है। बलौदाबाजार में 14 करोड़ रुपये के इंडोर स्टेडियम और नवा रायपुर में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का कार्य जारी है। तिल्दा-नेवरा, मोपका में बहुद्देशीय हॉल और बलौदाबाजार में 8-लेन सिंथेटिक ट्रैक बन रहे हैं, जो खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा देंगे। ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिये प्रदेश के सभी 33 जिलों में खेलो इंडिया लघु केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में हॉकी, तीरंदाजी, मलखंभ, कुश्ती और फुटबॉल जैसे खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बस्तर ओलंपिक में सात जिलों के 1.65 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रदेश सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित खेल पुरस्कारों का वितरण कर प्रतिभाओं को उनका हक प्रदान किया। 230 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित खेल सम्मानों से नवाजा गया, जिनमें शहीद राजीव पांडेय, शहीद कौशल यादव, वीर हनुमान सिंह, शहीद पंकज विक्रम एवं शहीद विनोद चौबे सम्मान शामिल है। इसके अतिरिक्त पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देकर खिलाड़ियों की प्रतिभा और मेहनत का सम्मान किया गया। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर वर्ष 2024-25 के गुण्डाधुर सम्मान, महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान से एक-एक खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों का सम्मान, अधोसंरचना का विकास, ग्रामीण प्रतिभाओं को तराशने और बस्तर क्षेत्र में खेल आयोजन से प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में एक नई उंचाई दी है। इससे भविष्य में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय और वैश्विक खेल मानचित्र पर चमकेगा। *लेखक संयुक्त संचालक हैं*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हर 3 महीने में अपना टूथब्रश जरूर बदलें, वरना आपकी सेहत को हो सकता है खतरा, जानें कैसे

स्वस्थ रहने के लिए ओरल हेल्थ का अहम रोल होता है। इसके लिए मुंह को अंदर से साफ रखना बेहद जरूरी है। हम जो खाना खाते हैं वो मुंह के जरिए पेट में जाता है। लेकिन हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो तीन महीने से ज्यादा समय तक एक ही ब्रश से दांत साफ करते हैं। इससे हमारे शरीर में कई बीमारियां घर कर सकती हैं और हमें पता भी नहीं चलता। इसलिए सबसे पहले आपको नियमित रूप से अपना ब्रश बदलने की जरूरत है। ब्रश को साफ रखना भी जरूरी है। आप हर तीन महीने में अपना ब्रश बदलकर और अच्छी क्वालिटी का ब्रश इस्तेमाल करके ओरल हेल्थ को बरकरार रख सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दिन में दो बार ब्रश करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। आइए इस खबर के जरिए जानते हैं आपको कितनी बार अपना टूथब्रश बदलना चाहिए और इसका इस्तेमाल कैसे करना चाहिए।

ओरल हेल्थ पूरे शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जब हमारे दांत और मसूड़े स्वस्थ होते हैं, तभी हम भोजन को ठीक से चबा सकते हैं, स्पष्ट बोल सकते हैं और आत्मविश्वास से मुस्कुरा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ओरल हाइजीन को नजरअंदाज करने से दांतों में सड़न, मसूड़ों की बीमारी और सांसों की बदबू जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय तक एक ही टूथब्रश का इस्तेमाल करने से न सिर्फ मुस्कान की खूबसूरती कम होती है, बल्कि विशेषज्ञों का कहना है कि खराब ओरल हाइजीन से दिल की बीमारी भी हो सकती है।

हर तीन महीने में विशेषज्ञों का कहना है कि टूथब्रश के मामले में आपको तीन महीने का नियम अपनाना चाहिए। इसका मतलब यह है कि ब्रश चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, उसे हर तीन महीने में बदल देना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तीन महीने के बाद ब्रश काम करना बंद कर देता है। इसके ब्रिसल्स भी खराब हो जाते हैं। इसका मतलब यह है कि आप इन टूथब्रश से चाहे जितनी बार भी ब्रश करें, आपके दांत साफ नहीं होंगे और दांतों की समस्या पैदा होगी। इसके अलावा, घिसा हुआ टूथब्रश दांतों की सफाई में कम प्रभावी होता है। एक अध्ययन के अनुसार, अपने टूथब्रश को हर तीन से चार महीने में बदलना जरूरी है या जैसे ही ब्रश के ब्रिसल्स खराब हो जाएं।

टूथब्रश पर माइक्रोऑर्गेनिज्म विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही ब्रश अच्छी स्थिति में हो, लेकिन कुछ दिनों के बाद यह समाइक्रोऑर्गेनिज्म का घर बन सकता है। इसके अलावा, हम में से ज्यादातर लोग अपने ब्रश को सिंक और बाथरूम के पास रखते हैं, जिससे टूथब्रश पर सूक्ष्मजीव जमा हो सकते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि इससे हार्ट डिजीज, गठिया और स्ट्रोक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती। इसलिए, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि उन्हें नियमित रूप से बदलना जरूरी है।

* क्या आप भी ऐसे ही ब्रश करते हैं? कई लोग अपने दांतों को ब्रश करते समय सोचते हुए या जोर-जोर से ब्रश करते हैं। जिसकी वजह से कुछ दिनों बाद दांत फीके दिखने लगते हैं। क्या आप भी ऐसे ही ब्रश करते हैं? ऐसा करना कई परेशानियों को न्योता देने जैसा है। साथ ही इससे दांत ठीक से साफ भी नहीं होते। इसलिए हमेशा जिगजैग और स्लो मोशन में ब्रश करना अच्छा रहता है।

* इंफेक्शन का खतरा- विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपको सर्दी, बुखार या खांसी जैसी कोई संक्रामक बीमारी है, तो आपको इसके ठीक होने के बाद अपना टूथब्रश बदल देना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि संक्रामक बीमारियों के कारण बैक्टीरिया और वायरस आपके टूथब्रश पर कुछ दिनों तक रह सकते हैं। इससे दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, विशेषज्ञों की राय है कि किसी भी संक्रामक बीमारी के तुरंत बाद अपना टूथब्रश बदलना जरूरी है।

* अपने दांतों को कैसे ब्रश करें? मौखिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए, मेयो क्लिनिक के विशेषज्ञ सुबह उठने से पहले और रात को सोने से पहले कम से कम दो मिनट तक फ्लोराइड टूथपेस्ट से अपने दांतों को ब्रश करने की सलाह देते हैं। ब्रश को 45 डिग्री के कोण पर पकड़ें और दांतों की सतह और मसूड़ों के पास हल्के गोलाकार गति में ब्रश करें। बहुत जोर से ब्रश करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है। विशेषज्ञ हर 3-4 महीने में अपना टूथब्रश बदलने की भी सलाह देते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -19

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

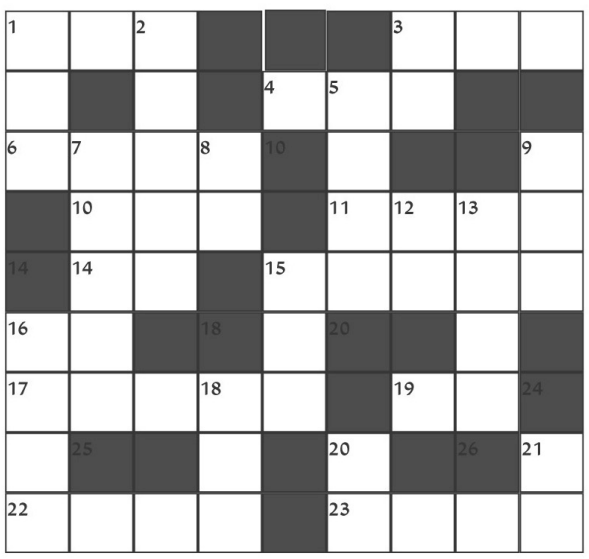

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 18 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

विजय सेतुपति-निथ्या मेनन की थलाइवन थलाइवी रिलीज डेट से उठा पर्दा

विजय सेतुपति और निथ्या मेनन अभिनीत बहुप्रतीक्षित तमिल फ़िल्म थलाइवन थलाइवी 25 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। निर्माताओं ने इसकी घोषणा की, साथ ही एक शीर्षक टीज़र भी जारी किया जिसमें पात्रों का परिचय दिया गया। मलयालम फ़िल्म 19(1)(ए) में उनके पिछले काम के बाद यह फ़िल्म सेतुपति और मेनन के बीच दूसरा सहयोग है।

थलाइवन थलाइवी फ़िल्म निर्माता पंडिराज की नवीनतम पेशकश है, जो केडी बिल्ला किलाडी रंगा, नम्मा वीट्टू पिल्लई और मरीना के लिए जाने जाते हैं। यह फ़िल्म 2022 में सूर्या-स्टारर एथरक्कुम थुनिंधवन के बाद तीन साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर उनकी वापसी का प्रतीक है। इससे पहले जारी किए गए शीर्षक टीज़र में सेतुपति और मेनन एक-दूसरे से भिड़ते हुए दिखाई दिए थे। सेतुपति और मेनन के अलावा, थलाइवन थलाइवी में योगी बाबू, मैना नंदिनी, सरवनन, काली वेंकट, दीपा और रोशिनी हरिप्रियन भी हैं।

फिल्म का निर्माण सत्य ज्योति फिल्म्स के बैनर तले सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन ने किया है। इस प्रोजेक्ट के लिए संतोष नारायणन ने संगीत तैयार किया है, जबकि एम सुकुमार छायांकन संभाल रहे हैं। फिल्म के संपादक प्रदीप ई राघव हैं। जब आप थलाइवन थलाइवी का इंतज़ार कर रहे हैं, तो आप 19(1)(ए) में सेतुपति और मेनन के पिछले सहयोग को देख सकते हैं।

इंधु वीएस द्वारा लिखित और निर्देशित यह ड्रामा एक फोटोकॉपी की दुकान में काम करने वाली महिला के जीवन के इर्द-गिर्द घूमता है। यह जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

मंडला मर्डर्स : मर्डर मिस्ट्री की गुत्थी सुलझाती हुई नजर आईं वाणी कपूर

सीरीज मंडला मर्डर्स का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। नेटफ्लिक्स और यशराज फिल्म्स की साझेदारी में बन रही यह सीरीज इसी महीने दर्शकों के बीच पहुंचेगी। इसमें चरणदासपुर के जंगलों में मौजूद एक प्राचीन यंत्र के रहस्यों के बारे में बताया गया है। सीरीज सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है। इसमें सुरवीन चावला, वाणी कपूर, श्रिया पिलगांवकर जैसे सितारे हैं।

नेटफ्लिक्स ने एक पोस्ट शेयर किया है। ट्रेलर रिलीज की जानकारी देने के साथ लिखा है, कुछ रहस्य विज्ञान और विश्वास से परे हैं। मोल चुकाने का समय आ गया है। सीरीज की रिलीज डेट भी बताई गई है। मंडला मर्डर्स नेटफ्लिक्स पर 25 जुलाई से स्ट्रीम होगी।

ट्रेलर में एक प्राचीन यंत्र के बारे में बताया गया है, जो चरणदासपुर के जंगलों में है। इसमें अपने अंगों की आहुति देने वालों को वरदान प्राप्त हुआ है। अगले दृश्य में वाणी कपूर की एंट्री होती है, जो सीरीज में इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर रिया थॉमस के रोल में नजर आएंगी। एक्टर वैभव दिल्ली पुलिस अधिकारी विक्रम सिंह का किरदार निभाते दिखेंगे। वे प्राचीन यंत्र और बेरहमी से की गईं हत्याओं की गुत्थी सुलझाने निकलते हैं। इस सीरीज में सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा पंचायत फेम प्रधानजी यानी एक्टर रघुबीर यादव भी इस सीरीज में दिखाई देंगे। मंडला मर्डर्स के जरिए वाणी कपूर ओटीटी सीरीज की दुनिया में डेब्यू कर रही हैं। इस सीरीज के निर्देशन की कमान गोपी पुरथन ने संभाली है। ट्रेलर सस्पेंस से भरा है और इसने सीरीज के प्रति दिलचस्पी बढ़ा दी है। सीरीज के ट्रेलर पर नेटिजन्स की शानदार प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स लिख रहे हैं, प्रधानजी की वापसी। एक अन्य यूजर ने लिखा, आधी कास्ट गुल्लक की इधर आ गई है। वहीं, ट्रेलर को भी शानदार बता रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, ट्रेलर शानदार है। सीरीज का इंतजार है।

जेन्मा नचतिरम का सफर मेरी जिंदगी का खूबसूरत चैप्टर : मालवी मल्होत्रा

एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा अपनी फिल्म जेन्मा नचतिरम के साथ हॉरर-थ्रिलर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाने जा रही हैं। एक्ट्रेस मालवी ने हाल ही में बताया कि आखिर यह फिल्म उनके लिए इतनी खास क्यों है? उन्होंने इस फिल्म के सफर को अपनी जिंदगी का खास चैप्टर करार दिया।मालवी ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमेशा की तरह, मैंने इसमें बहुत मेहनत की है और अपने प्रदर्शन में पूरी कोशिश की है। भगवान की कृपा से यह एक शानदार महिला-केंद्रित फिल्म है और मुझे इसमें मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला है, इसके लिए मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।

उन्होंने आगे कहा, यह एक रोचक हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें प्यार की कहानी भी है। मैं कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। बस इतना कह सकती हूं कि जब यह फिल्म जल्दी ही सिनेमा हॉल में आएगी, तो हर कोई इसे देखकर एन्जॉय करेगा। मैं अपने निर्देशक बी. मणिवर्मन की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस फिल्म में मौका दिया। मैं बहुत उत्साहित हूं और फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

तमिल फिल्म जेन्मा नचतिरम में मालवी मल्होत्रा के अलावा, तमन आकाश, मैत्रेय, रक्षा चेरिन, शिवम, अरुण कार्थी, काली वेंकट, मुनीशकांत, वेलारामामूर्ति, थलाइवासल विजय, संथाना भारती, बॉयज़ राजन, नकालिते निवेदिता और यासर भी मुख्य भूमिका में हैंयह थ्रिलर फिल्म सुभाषिनी के. ने अमोहम स्टूडियो और व्हाइट लैंप पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाई है। इस फिल्म का निर्देशन बी. मणिवर्मन ने किया है।

जून को फिल्म के निर्माता ने सोशल मीडिया पर इसका टीजर रिलीज किया था, जिसकी शुरुआत एक लाइन से होती है, जहरीले पौधों को बढ़ने के लिए सबसे साफ पानी की जरूरत होती है।फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक मणिवर्मन ने कहा, जैसे पुराने समय की मशहूर हॉरर थ्रिलर फिल्में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनती थीं, हमारी फिल्म जेन्मा नचतिरम भी ऐसी ही होगी। हालांकि, इस फिल्म का नाम पुरानी हॉरर फिल्म से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह से एक नई कहानी है। दर्शक थिएटर में फिल्म देखकर डर को महसूस करेंगे।

निधि अग्रवाल ने फिल्म सिंगल की तारीफ की

तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने मई में रिलीज हुई तेलुगू फिल्म सिंगल की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को एक मजेदार यात्रा बताया और कहा कि निर्देशक कार्तिक राजू ने इसे शानदार तरीके से बनाया है।

अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अभी-अभी सिंगल (तेलुगु) देखी!! कार्थिक राजू द्वारा शानदार तरीके से बनाई गई यह फिल्म एक शानदार यात्रा है। श्री विष्णु और विनेला किशोर ने हमें शुरू से लेकर आखिरी तक खूब हंसाया। इवाना और केतिका शर्मा और दोनों बहुत अच्छे थे। अल्लू अरविंद सर, गीता आर्ट्स और पूरी कास्ट और क्रू को बधाई।

यह फिल्म इस साल मई में रिलीज हुई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं, फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद इस फिल्म में अभिनेता श्री विष्णु के अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अभिनेता को फोन किया और अपने बैनर द्वारा निर्मित दो और फिल्मों में काम करने का ऑफर दिया।

फिल्म सिंगल में श्री विष्णु, इवाना और केतिका मुख्य भूमिका में थे। इसे गीता आर्ट्स, अल्लू अरविंद ने कल्याण फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया था। 9 मई को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म का निर्माण विद्या कोप्पिनीडी, भानु प्रताप और रियाज चौधरी ने किया।

अल्लू अरविंद के लिए यह फिल्म खास थी क्योंकि उनकी बेटी विद्या ने इस फिल्म का निर्माण किया था। अल्लू अरविंद ने निर्देशक कार्तिक राजू को भी बधाई देते हुए कहा था, मैं सभी दर्शकों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने साबित कर दिया कि अगर फिल्म अच्छी है तो वे थिएटर में आएंगे। विष्णु के साथ मेरा सफर अभी भी जारी रहेगा।

फिल्म की नायिकाओं केतिका और इवाना ने शानदार अभिनय किया है। वहीं, विशाल चंद्रशेखर ने फिल्म के लिए बेहतरीन संगीत दिया और इसे इतना आकर्षक बनाया है। सभी युवा निर्देशकों को इस सफलता का जश्न मनाते हुए देखना बहुत खुशी की बात है।

लगातार अपनी विश्वसीयता को कमतर कर रहे ट्रंप

डॉ. एस.के. मिश्र

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अपनी विश्वसीयता को कमतर कर रहे हैं। कभी अनाप-शनाप निर्णय के कारण तो कभी भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का श्रेय लेने के कारण।

ताजा मामला ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम के एकतरफा ऐलान का है। इस कदम के फलस्वरूप न केवल उनके देश के नागरिकों में गुस्सा है बल्कि उनके सहयोगी देश भी सकते में हैं। यही नहीं ट्रंप ने दवा किया कि दोनों देश शांति के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्तृत युद्ध विराम की घोषणा की। आपने दावा किया कि ईरान और इजरायल लगभग एक साथ मेरे पास आए और कहां %शांति', मुझे पता था कि अब समय आ गया है। विश्व और मध्य पूर्व ही असली विजेता है।' आगे कहा कि %इजरायल और ईरान का भविष्य असीमित है और महान आशाओं से भरा है दोनों देश अपने भविष्य में जबरदस्त स्नेह, शांति और समृद्धि देखेंगे।

विचारणीय विषय यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम योजना को स्वीकार कर लिया ताकि मध्य पूर्व में चल रहे 12 दिनी युद्ध को अलविदा किया जा सके। कहा गया तब तेहरान ने ईरान में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर जवाबी सीमित प्रक्षेपास्त्र द्वारा प्रहार किया था।

वास्तव में यह अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु स्थलों पर की गई बमबारी का बदला था। यह भी ध्यान रहे कि इजरायल ने भी अभी तक ट्रंप के युद्ध विराम की घोषणा को स्वीकार नहीं किया है। आखिरकार ट्रंप की इस प्रकार की खोखली घोषणाएं देश एवं दुनिया को क्या जाहिर कराना चाहती है। इस तरह ट्रंप अपने मुंह मियां मिट्ठू बनकर अमेरिका की प्रतिष्ठा को भी धूल धूसरित करने में लगे हैं।

दूसरी तरफ, इजरायल ने ईरान पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए बलपूर्वक जवाब देने की कसम खाई है। ईरान तथा इजरायल के बीच युद्धविराम की बात जिसने 12 दिनों के संघर्ष को रोक कर राहत भले दे दी हो, किंतु अभी भी असमंजस की स्थिति स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। ट्रंप अमेरिका के ही नहीं बल्कि दुनिया के ऐसे पहले राष्ट्र प्रमुख होंगे जिन पर विश्वास करना खतरे से खाली नहीं है।

दुनिया के हर मामले में हस्तक्षेप करके अपनी साख खोते जा रहे हैं। स्मरण रहे कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से ईरान इजरायल युद्ध में शामिल होने के संदर्भ में कहा था %अमेरिका दो हफ्तों के भीतर इस संघर्ष में शामिल होने का फैसला करेगा, किंतु दो दिन बाद ही अमेरिका के बी-2 बमवषर्कों द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप भू राजनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तनाव बढ़ने की आशंकाएं बढ़ गई।

ट्रंप की घोषणा के बाद तेल अवीव और तेहरान संघषर्विराम पर सहमत हो गए हैं। बड़ी असमंजस की स्थिति बन चुकी है। एक ओर अमेरिका कह रहा है कि उसने ईरान की परमाणु क्षमता को सीमित कर दिया है वहीं ईरान का कहना है कि वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के सामने खड़े होकर मुकाबला करने का जज्बा, जोश और जुनून रखता है और किसी भी हालत में पीछे ने हटने की बात भी करता है। इजरायल बहुत हद तक ईरान को कमजोर एवं खंड-विखंड की बात कहता है।

इस युद्ध में हर देश अपने को एक दूसरे से बड़ा विजेता बनने की बात करता है, किंतु इसकी सत्यता तो समय पर पता लगेगी कि वास्तविक जीत किसकी हुई है? ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर किए गए अपने आक्रमण को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इस हमले में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है। ईरान किसी के द्वारा की गई ज्यादती को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगा। हम किसी के आगे नहीं झुकेंगे। यही ईरानी राष्ट्र की सोच है। स्पष्ट कर दूं कि एक दिन पूर्व अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु प्लांट्स पर हमला किया था, जिसमें फोर्डो परमाणु सुविधा संपन्न केंद्र भी शामिल था।

इसमें अमेरिका ने बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर्स के द्वारा 14 जीबीयू-57 में सिर्फ ऑर्डिनेंस पेनिट्रेटर गिराए थे। इससे ईरान के परमाणु सुविधा को बड़ी हानि उठानी पड़ी। ट्रंप अपने देश के ही नहीं बल्कि दुनिया के पहले राष्ट्राध्यक्ष होंगे जो अपनी अस्थिर सोच, विचार, क्रियाकलाप एवं व्यवहार के रूप में जाने जाएंगे।

नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा रखने वाले अपने पद, प्रतिष्ठा एवं प्रतिबद्धता को भी दांव में लगाकर दोहरी, दोमुखी एवं दुधारू तलवार से दुनिया को चलाने का जो प्रयास कर रहे हैं, वह बेहद विरोधाभास से भरा हुआ है। जिस स्थिति एवं व्यवहार को अपनाकर वे %ट्रंप चाल' चल रहे हैं, उससे उनकी जीत कभी भी बड़ी हार में बदल सकती है। बड़ा बनने के लिए एक बड़ी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है और स्वयं की बजाय लोगों को साबित करना होता है।

एक ओर आतंकी पाकिस्तान के साथ दोस्ती का डिनर दूसरी ओर ईरान पर हमला तीसरी और जी-7 की बैठक को बीच में छोड़ना, %ऑपरेशन सिंदूर' के समय भारत-पाकिस्तान युद्ध में युद्ध विराम का श्रेय खुद लेना और स्वयं पीछे हट जाना कि इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं थी; आखिर कितना छिछलापन है? यह सर्वविदित सत्य है कि जहां अस्तित्व हेतु संघर्ष बेहद जरूरी है वहां शांति के बिना जीवन का आधार नहीं है। संघर्ष की अवधारणा अत्यंत व्यापक है, जो शांति की इच्छा को प्रोत्साहित करती है। वर्तमान दौर में संघर्ष एवं शांति बेहद महत्त्वपूर्ण समसामयिक चिंता एवं चिंतन का विषय है।

हम सभी शांति, सुरक्षा, सद्भाव, सदाचार, सहयोग, समर्थन, स्नेह, सहानुभूति एवं सार्थक शिक्षा की बात करते हैं, किंतु उन्हें जीवन व्यवहार में अपनाने की बात पर अमल नहीं करते। देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को अपना पिट्ठू बनाए रखने की ललक स्वयं एवं विश्व हित में नहीं होती है। अत- ट्रंप द्वारा स्वयं की शेखी बघारना या डींग हांकना बंद करके मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के प्रति गंभीर रूप से चिंता व चिंतन करें तो इतिहास उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से बड़ा मानवीय हित संरक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेगा। जिस तरह की दोहरी सोच वह प्रकट करते हैं, इससे उनके व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं अमेरिका की छवि भी धूल धूसरित होती है। उन्हें जो अभी अपने बेहद खास नजर आ रहे हैं, वो भी कुछ दिनों में पराए हो जाएंगे। काश! उन्हें सदबुद्धि आए और विश्व का कल्याण हो।

(लेख में विचार निजी है)

सू- दोकू क्र.19

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 18 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

वीडियो गेम जैसा नैरेटिव , एआई के कारण युद्ध बहुत हो गए भ्रामक

अशोक शर्मा

एआई ने एक नए तरह का भ्रम जाल रचकर इंसान के लिए बेहद खतरनाक स्थिति पैदा कर दी है। विशेषकर युद्ध के मामले में यह इस कदर भ्रम फैलाने में असरदार साबित हुई है कि लगता है महाकाव्यों में कैद मायावी युद्ध आज की तारीख में हकीकत बन गए हैं। इजराइल-ईरान संघर्ष में एआई ने इतनी भ्रामक स्थिति पैदा कर दी है कि पता नहीं चल पा रहा कि वाकई युद्ध में वास्तविक स्थिति क्या है?

एआई के कारण पिछले माह 13 जून को शुरू हुए इजराइल-ईरान युद्ध में दर्जनों ऐसे फेक वीडियो बनाए गए हैं, जिनके कारण दुनियाभर की राय कई-कई बार न केवल बदली है, बल्कि करोड़ों लोग हकीकत में यह जान ही नहीं पा रहे कि इस युद्ध की वास्तविक स्थिति क्या है? मीडिया संस्थानों द्वारा अब तक दर्जनों ऐसे वीडियो फेक साबित किए जा चुके हैं, जिन्हें लाख दो लाख नहीं बल्कि दस-दस करोड़ लोगों ने देखा था और इनके आधार पर अपनी-अपनी राय बना ली थी।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के चलते पूरी दुनिया में ईरान की जवाबी कार्रवाईयों को कुछ इस तरह बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है कि कई मुस्लिम देशों में तो इन वीडियो को देखकर बड़े-बड़े जश्न तक मनाए गए कि ईरान ने इजराइल को जबर्दस्त टक्कर देकर तहस-नहस कर दिया है। लेकिन ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर एआई द्वारा गढ़े गए ये वीडियो, जहां पूरी तरह से नकली थे, वहीं यूरोप और दूसरे देशों में ईरान के भीतर सरकार के विरोध में जो बड़े-बड़े आंदोलन और जनाक्रोश भरे उभार देखे गए हैं, वो भी सभी झूठे पाए गए हैं।

एआई ने इतनी भ्रामक स्थिति पैदा कर दी है कि सही-सही अंदाजा ही नहीं लग रहा कि इस युद्ध में किसका और कितना पलड़ा भारी है। आज भले ये सब मनोरंजन लगे, लेकिन विशेषज्ञों की राय है कि भविष्य में यह सब कुछ इतना भ्रामक हो जाएगा कि माइग्रेन से भी बड़ा स्थाई सिरदर्द बन जाएगा।

बड़े-बड़े रणनीतिकारों के होश उड़े

आज युद्ध सिर्फ जमीनी या हवाई हथियारों से ही नहीं लड़े जा रहे हैं, बल्कि इन्हें एआई से भी लड़ा जा रहा है। जिन्हें हम डिजिटल युद्ध भी कह सकते हैं। ईरान और इजराइल के मौजूदा युद्ध में एआई की जो व्यापक भूमिका उभरकर सामने आई है, उसने बड़े-बड़े युद्ध रणनीतिकारों के होश उड़ा दिए हैं। फर्जी वीडियो सीन, फर्जी तस्वीरों, चैटबॉट से उगलवाई गईं फर्जी जानकारियों ने भी सच और झूठ की सीमा को धुंधला बना दिया है। पिछले दिनों इंस्टाग्राम और दूसरे सोशल मीडिया में एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ, जो तेलअवीव पर साधे गए खौफनाक निशाने की भयानक तस्वीरें पेश कर रहा था। लेकिन जब न्यूज एजेंसी ने इस वीडियो को फैक्ट चेक टूल के जरिए परखा, तो पता चला कि यह बिल्कुल फर्जी वीडियो है, जिसे एआई के जरिए बनाया गया है।

मनगढ़ंत फुटेज दिखा रहे

इजराइल-ईरान युद्ध ने वीडियो गेम के वर्षों, दशकों पुराने फुटेज को भी युद्ध के ताजा विवरणों में बदल दिया। हाल में कई ऐसे वीडियो सामने आए, जिसमें इजराइली जेट कागज के हवाईजहाजों की तरह गिरते दिखते हैं। इन्हें ईरान की मिसाइलें पट-पट करके गिराती दिखाई गई हैं। लेकिन बाद में पता चलता है कि लड़ाकू जहाजों की यह बारिश हकीकत नहीं, बल्कि कंप्यूटर गेम का हिस्सा थी। ये वीडियो गेम इस कदर भ्रामक स्थिति पैदा कर रहे हैं कि पक्ष या विपक्ष में कोई वास्तविक राय ही नहीं बन रही। सिर्फ मनगढ़ंत इमेजें ही नहीं, बल्कि सैटेलाइट फुटेज भी पेश किए जा रहे हैं। टेलीग्राम और स्टेट मीडिया चैनलों पर ऐसे एआई निर्मित नकली सैटेलाइट फुटेज पोस्ट किए जा रहे हैं, जो इजराइल में बड़े पैमाने पर सैन्य क्षति दिखाते हैं। लेकिन जब इन्हें फैक्ट चेक के जरिए जांचा जाता है, तो सब कमरे के भीतर कंप्यूटर पर बनाया गया वॉर गेम साबित होता है।

खटीमा ब्लॉक में मतदान कराने के लिए मतदान पार्टियां हुई रवाना

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए खटीमा मंडी से मतदान पार्टियों की मतदान हेतु रवानगी करने के साथ ही स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान निर्वाचन का महत्वपूर्ण चरण होता है, इसलिए सभी मतदान अधिकारी सावधानी व आपसी समन्वय से शांतिपूर्ण, निष्पक्ष मतदान कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने मतदान अधिकारियों से कहा कि अपने मतदान स्थल पर पहुंच कर मतदान की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ले व समय से मतदान प्रारम्भ करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदान अधिकारी किसी का आतिथ्य स्वीकार नहीं करेंगे व अपने मतदान स्थल पर ही प्रवास करेंगे। उन्होंने सेक्टर, जोनल मैजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि सभी मतदान पार्टियों की अपने बूथ पर पहुंचने की सूचना कंट्रोल रूम व आरओ को देना सुनिश्चित करेंगे तथा मतदान दिवस के दिन सभी जोनल, सैक्टर मैजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र भ्रमण पर रहेंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने कहा कि सुरक्षा बल अपने मतदान पार्टियों के साथ जायेंगे व साथ आयेंगे। आरओ आनंद सिंह नेगी ने बताया कि खटीमा ब्लॉक में मतदान कराने हेतु 248 मतदान पार्टिया 69 बसों से रवाना हुई व 25 मतदान पार्टिया रिजर्व में रखी गई है। निरीक्षण दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी, आरओ आनंद सिंह नेगी व एआरओ मौजूद थे।

मणिकुट पर्वत, नीलकंठ महादेव मंदिर में उमड़ी कावडियों की भीड़।

हरिद्वार कनखल स्थित दक्ष मंदिर में जलाभिषेक करते डीएम मयूर दीक्षित एवं एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र सिंह डोबाल।

प्रथम चरण में चकराता..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

कोई बाहरी व्यक्ति अनावश्यक रूप से बिना किसी कारण के उक्त स्थानो पर न रूका हो। इसके अतिरिक्त अन्तर्राज्जीय/अन्तर जनपदीय बैरियरों पर नियुक्त पुलिस बल वाहन चौकिंग के साथ-साथ व्यक्तिगत चैकिंग करना भी सुनिश्चित करे। उक्त ब्रीफिंग के दौरान जनपद के सभी जोनल/सेक्टर पुलिस अधिकारी, पुलिस बल/होमगार्डस के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तीनों विकासखंडों 04 सुपर जोन, 14 जोन, 49 सेक्टर में विभाजित किया गया है, जिनमें 367 मतदान केंद्र तथा 509 मतदेय स्थल (बूथ) बनाये गए है।

महिला प्रसूति कक्ष में लगेगी एलईडी फोकस लाइट

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चकराता का निरीक्षण करते हुए महिला प्रसूति कक्ष में एलईडी फोकस लाइट लगाने के निर्देश दिये।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता में बुनियादी सुविधाओं को जल्द दुरूस्त किया जाएगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने सीएचसी का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। चकराता में डीएम ने जनमन का नए सीएचसी की जगह देखने स्वयं पहाड़ चढ स्थलीय निरीक्षण किया। विद्यमान सीएचसी के संकरे बाजार, सीमित जगह, नियत्रित कैंट कानूनो की पकड़ से बाहर निकालना है आवश्यक है। सीएम के निर्देश पर आधुनिक सुविधाओं, खुली धूप, पर्याप्त पानी से धन्य होगा अपना नया सीएचसी। सीएचसी में ओपीडी, फार्मेसी, आपरेशन थियेटरर्स, वार्ड, लैब, पंजीकरण, दवा वितरण, डाक्टर आवास, सबके लिए पर्याप्त स्थान होगा। वृहद जनहित में प्रशासन जल्द प्रस्ताव, प्लान, आख्या शासन को भेजने की तैयारी में है। बहरहाल: विद्यमान सीएचसी आधुनिक उपकरणों, पैरामेडिक्स, ओटी टेबलस, वार्ड आयाओं से लैस किया जा रहा है, जिसके लिए डीएम ने मौके पर धन की स्वीकृति करते हुए कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए हैं। महिला प्रसूति कक्ष के लिए एलईडी फोकस लाइट हेतु फंड की मौके पर स्वीकृति दे दी गई है। साथ सीएचसी के रजिस्ट्रेशन व दवा काउंटर का विस्तारीकरण जल्द किया जाएगा। डीएम ने लोनिवि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की भूमि का सीमांकन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीएचसी चकराता में पंजीकरण काउंटर, ओपीडी, प्रसूति कक्ष, आपातकालीन कक्ष, शल्य

❑जिलाधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चकराता का निरीक्षण

कक्ष, औषधि भण्डार, एक्स-रे सुविधाओं का जायजा लिया और चिकित्सकों से अस्पताल की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। सीएचसी में रजिस्ट्रेशन काउंटर और ओपीडी के लिए कम स्थान को देखते हुए जिलाधिकारी ने रजिस्ट्रेशन काउंटर और ओपीडी का विस्तारीकरण करके आम जनमानस के लिए सुविधाजनक बनाने हेतु तत्काल प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने अस्पताल में आरवीजी एक्सरे मशीन को शीघ्र रिपेयर करने और प्रसूति कक्ष में एलईडी फोकस लाइट लगाने के निर्देश भी दिए। अस्पताल भवन में लाइट की समस्या पर डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि सीएचसी में लाइट रिपेयरिंग के लिए विभागीय इंजीनियर से प्रस्ताव तैयार कर बजट स्वीकृति के लिए जिला योजना में प्रस्तावित करें।

सीएचसी के लिए प्रस्तावित नए भवन निर्माण के लिए जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को शीघ्र आगणन तैयार करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने सीएचसी परिसर में क्षेत्रवासियों की समस्याएं भी सुनी। स्थानीय लोगों ने वर्षो से छावनी बाजार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चकराता से ग्वासा पुल के समीप शिफ्ट किए जाने पर आपत्ति जताई। कहा कि चकराता जौनसार बाबर के सैकड़ो गांवों का केंद्र बिन्दु है, छावनी परिषद के लिए अस्पताल को शिफ्ट नही किया जाना चाहिए। बताया कि जिस स्थान पर अस्पताल शिफ्ट करने की बात चल रही है वहां जाने के लिए न तो सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था है और न ही वह क्षेत्र अन्य जगहों से आने जाने के लिए सुलभ है। कुछ लोगों ने चकराता स्थित सीएचसी में एंबुलेंस और मरीजों को आने जाने में हो रही परेशानी को भी डीएम के समक्ष रखा। इस पर जिलाधिकारी ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि जनहित में जो भी उचित होगा उसके अनुसार ही इस बारे में निर्णय लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने आला अधिकारियों के साथ सीएचसी के लिए ग्वासा पुल (डाकरा) के समीप चिन्हित भूमि का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि चयनित भूमि का सर्वप्रथम जियोलॉजिकल सर्वे एवं भूमि की मृदा परीक्षण कराया जाए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एमके शर्मा, एसीएमओ डॉ दिनेश चौहान सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कांवड भीड़ में खोयी बुजुर्ग महिला बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले में खोई बुजुर्ग भूखी-प्यासी महिला को पुलिस ने अथक प्रयासों से बरामद कर उसके परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है। पुलिस की इस कार्यवाही की सराहना करते हुए परिजनों ने उत्तराखण्ड पुलिस का धन्यवाद व्यक्त किया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज चन्द्र सिंह वर्मा द्वारा लखनऊ से अपनी माताजी

❑परिजनों से मिलाकर लौटाई चेहरे पर मुस्कान

लक्ष्मी देवी के मोबाइल पर वार्ता करने के उपरान्त थाना श्यामपुर हरिद्वार को सूचना दी गई कि उनकी माताजी लक्ष्मी देवी चण्डीघाट क्षेत्र में कांवडियों की भीड में खो गयी है व भूखी प्यासी भटक रही है व आपसे अनुरोध है कि आप मेरी माता जी को थाने में सुरक्षित ले आये।

सूचना से थानाध्यक्ष श्यामपुर को अवगत कराते हुये चौकी चण्डीघाट क्षेत्र में विशेष चैकिंग अभियान चलाने हेतु कर्मचारियों को सूचित कराया गया। चौकी चण्डीघाट क्षेत्र में ड्यूटीरत महिला उप निरीक्षक अंजना चौहान के नेतृत्व में चण्डीघाट बैरियर पर नियुक्त ड्यूटी कर्मियों व विशेष पुलिस अधिकारियों द्वारा अथक प्रयासो व सर्विलांस की मदद से उक्त बुजुर्ग महिला चण्डीघाट पुल के नीचे लाचार अवस्था में पेड़ के नीचे बैठी मिली। जिनको सांत्वना व ढांढस देकर चौकी चण्डीघाट पर बैठाया गया व नाम पता तस्दीक कर उसके बेटे चन्द्र सिंह वर्मा को थाना श्यामपुर पर बुलाया गया तथा बुजुर्ग महिला लक्ष्मी देवी उम्र-70 वर्ष पत्नी स्व. प्रताप बहादुर वर्मा निवासी ग्राम सिरोली कलाँ पो. नन्दवल बहराईच उ.प्र. को उसके सगे बेटे चन्द्र सिंह वर्मा के सकुशल सुपुर्द कर मानवता की मिशाल पेश की गयी है। परिजनों द्वारा थाना श्यामपुर हरिद्वार पुलिस की इस तत्कालिक कार्यवाही की सराहना करते हुये धन्यवाद प्रकट किया गया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में तीमारदारों के लिए विश्राम गृह बनाए जाएंगे

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून व हल्द्वानी में तीमारदारों के लिए विश्राम गृह बनाये जायेंगे जिसके लिए एमओयू पर हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में सचिवालय में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी एवं सेवादान आरोग्य संस्था के बीच एम.ओ.यू. (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एम.ओ.यू. राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी एवं देहरादून में तीमारदारों के लिए विश्राम गृह निर्माण कार्य से संबंधित है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों में तीमारदारों के लिए विश्राम गृह बनने से बड़ी सुविधा होगी। भर्ती मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को रात्रि विश्राम एवं ठहरने की समस्या का समाधान मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सेवादान आरोग्य संस्था से किच्छा स्थित एम्स सैटेलाइट सेंटर में भी यह व्यवस्था करने की बात कही , जिस पर संस्था ने सहमति व्यक्त की। इस एम.ओ.यू. के तहत सेवादान आरोग्य फाउंडेशन, राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी एवं देहरादून में तीमारदारों के लिए विश्राम गृहों का निर्माण करेगा। दोनों मेडिकल कॉलेजों में 350 बिस्तरों की क्षमता वाले विश्राम गृहों का निर्माण प्रस्तावित है। इन विश्राम गृहों (रैन बसेरों) में रात्रि विश्राम के लिए शयनागार में 55 रूपये प्रति बिस्तर तथा दो बिस्तरों वाले कमरे 300 रूपये प्रति कक्ष की दर से उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, नाश्ता 20 रूपये तथा भोजन 35 रूपये की सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा। इन विश्राम गृहों का संचालन एवं रखरखाव सेवादान आरोग्य फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। राजकीय मेडिकल कॉलेज देहरादून द्वारा 1750 वर्गमीटर एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी द्वारा 1400 वर्गमीटर भूमि विश्राम गृहों के निर्माण हेतु प्रदान की जाएगी। यह एम.ओ.यू. आगामी 20 वर्षों के लिए वैध रहेगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, सचिव विनय शंकर पाण्डेय, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना तथा सेवादान आरोग्य संस्था से अभिषेक सक्सेना, आनंद सिंह बिसेन एवं अमित दास उपस्थित थे।

चुनाव ड्यूटी पर जा रहे कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत

●खराब सड़क पर गिरकर पीठासीन अधिकारी हुए घायल

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। कल होने वालें पंचायत चुनाव के लिए मतदान केंद्र को जा रहे एक मतदान कर्मी को रास्ते में हार्ट अटैक से मौत हो गयी। वही एक अन्य बूथ पर जा रहे पीठासीन अधिकारी का बदहाल रास्ते पर फिसलने से पैर फ्रैक्चर हो गया। जिन्हे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मुनस्यारी विकासखंड के पोलिंग बूथ के लिए बीते रोज 60 पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। सीएमओ कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक 44 वर्षीय मनीष पंत और उनकी टीम प्राथमिक विद्यालय गोल्फा में बने बूथ के लिए रवाना हुई। बताया जा रहा है कि सड़क का सफर तय कर टीम चार किलोमीटर दूर पोलिंग बूथ तक पहुंचने के लिए खड़ी चढ़ाई चढ़ रही थी। इस बीच मनीष पंत के सीने में तेज दर्द उठा और वह बेहोश हो गए। कुछ ही देर में हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर रेस्क्यू करने टीम भेजी गई। उनकी जगह अन्य कर्मी को रवाना किया गया। मनीष पंत का परिवार वर्तमान में पिथौरागढ़ में रहता है. वो मूल रूप से बेरीनाग निवासी थे। मनीष के शव को जिला मुख्यालय लाने के लिए हेलीकॉप्टर भेजा जा रहा था। लेकिन मौसम खराब होने के कारण अब सड़क मार्ग से ही शव को पिथौरागढ़ लाया जा रहा है।

वहीं एक दूसरी घटना में पीठासीन अधिकारी गिरकर घायल हो गए. पीठासीन अधिकारी गौरव कुमार चामी भैंसकोट बूथ पर मतदान संपन्न कराने अपनी टीम के साथ रवाना हुए। बूथ से कुछ ही दूरी पर बदहाल रास्ते पर वो फिसल गए और उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। उन्हें रेस्क्यू कर नाचनी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

महिला ट्रेनी सिपाहियों ने ट्रेनिंग सेंटर की व्यवस्था पर लगाए गंभीर आरोप

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में शाहपुर क्षेत्र में स्थित पीएसी वाहिनी में उस समय अफरा तफरी मच गई जब महिला ट्रेनी सिपाहियों ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। करीब 600 महिला सिपाहियों ने ट्रेनिंग सेंटर की व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए। सबसे गंभीर आरोप बाथरूम में कैमरे लगाए जाने का रहा। जिसे लेकर महिला ट्रेनी सिपाहियों ने जमकर हंगामा किया। उनका आक्रोश इस कदर बढ़ गया कि उन्होंने मुख्य द्वार पर धरना प्रदर्शन और नारेबाजी करने लगीं। उन्होंने आईटीसी प्रभारी द्वारा दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया।

सूचना पर पहुंचे जिले के आला अधिकारियों ने महिला अभ्यर्थियों को समझा कर शांत कराया और पीएसी परिसर में भेजा। हंगामे की सूचना पर पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के ट्रेनर और एडीजी समेत पुलिस के कई आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।एडिशन लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बताया- सुबह कुछ रिक्रूट ने बिजली पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया था। जिसे गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पीएसी के वरिष्ठ अधिकारियों को गोरखपुर भेजा गया है। अब स्थिति सामान्य है।

गौला नदी में डूबे दो बच्चों के शव बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। गौला नदी किनारे गये दो बच्चे लापता हो गये। जानकारी मिलने पर परिजनों व क्षेत्रवासियों ने उनकी खोजबीन शुरू की जिनके शव आज सुबह गौला नदी से बरामद हो गये है।

मामला लालकुआं कोतवाली क्षेत्रांर्तगत हल्दूचौड़ चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार बीती शाम करीब 5 बजे मोटाहल्दू के ग्राम बकुलिया निवासी अंकित भौर्याल (15) पुत्र दीवान सिंह भौर्याल व कृष दानू (15)पुत्र दरबान सिंह दानू घर से नहाने के लिए गौला नदी की ओर को निकले, जब देर शाम तक वह वापस नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई, इसके बाद

●दोनों के परिवारों में मचा कोहराम

आस-पास के ग्रामीण व निवर्तमान ग्राम प्रधान विपिन चंद्र जोशी समेत क्षेत्र वासियों ने उनकी ढूंढ खोज शुरू की, पूरी रात ढूंढने के बावजूद उनका कहीं कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद आज सुबह फिर से सर्च अभियान चलाया गया तो गौला नदी के किनारे दोनों के कपड़े मिल गए, जिससे बच्चों के नदी में डूबने का शक गहरा गया, इसके बाद गांव के ही गोताखोरों को बुलाया गया और नदी में पहले एक बच्चे का शव मिला। उसके बाद करीब 11 बजे दूसरे बच्चे का भी शव बरामद हो गया। एक साथ दोनों बच्चों की डूबने से हुई मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। साथ ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया हैं।

बताया जा रहा है कि अंकित कक्षा 9 एवं क्रश कक्षा 10 का छात्र था।

विपक्षी दलों ने धनखड़ को फेयरवेल नहीं दिए जाने को लेकर उठाए सवाल

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र जारी है और ऐसे में विपक्षी दल जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर सरकार पर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने धनखड़ को फेयरवेल नहीं दिए जाने को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें विदाई भाषण भी नहीं दिया गया। यह किसानों और भारत के संविधान का अपमान है। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति के पद से उनका (जगदीप धनखड़) त्यागपत्र स्वेच्छा से नहीं हुआ है। हम सभी लोग बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में मौजूद थे और उस दौरान हमने देखा है कि वह (जगदीप धनखड़) स्वस्थ और प्रसन्न थे। हालांकि, दो घंटे के अंदर वह अस्वस्थ नहीं हो सकते? ऐसा लगता है कि उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। उपराष्ट्रपति पद का अपमान किया गया। इतना ही नहीं, उन्हें विदाई भाषण भी नहीं दिया गया। यह किसानों और भारत के संविधान का अपमान है। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि जगदीप धनखड़ को प्रधानमंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्रियों ने इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया। उन्हें कहा गया कि अगर उन्होंने उस दिन रात 9 बजे से पहले इस्तीफा नहीं दिया, तो

उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा। यह प्रधानमंत्री और अन्य कैबिनेट मंत्रियों द्वारा दबाव बनाने की रणनीति है। सुनने में आ रहा है कि अब राजनाथ सिंह को उपराष्ट्रपति बनाया जाएगा। जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने पर कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उपराष्ट्रपति का इस्तीफा बेहद संदिग्ध लग रहा है। मुझे लगता है कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को लेकर कुछ विवाद हुआ है। विपक्ष की ओर से महाभियोग प्रस्ताव को उन्होंने स्वीकार किया और शायद इस बात से सरकार नाराज हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है कि उन्हें विदाई भाषण देने का भी मौका नहीं मिला।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।